(1100/SK/NKL)
1101 बजे

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

संसद भवन पर आतंकवादी हमले की अठारहवीं वर्षगांठ के विषय में उल्लेख

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप सभी को विदित है, अठारह वर्ष पूर्व 13 दिसम्बर, 2001 को एक दुस्साहसिक हमले में हमारी लोकतांत्रिक राजव्यवस्था की प्रतीक भारतीय संसद आतंकी हमले का निशाना बनी।

यह हमला संसद परिसर की सुरक्षा में लगे हुए सतर्क सुरक्षा बलों द्वारा निष्फल कर दिया गया था। दिल्ली पुलिस के पांच सुरक्षाकर्मी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक महिला कांस्टेबल, संसद सुरक्षा सेवा के दो सुरक्षा सहायक तथा एक अन्य कर्मचारी भी इस आतंकी हमले में शहीद हुए।

यह सभा हमारे बहादुर सुरक्षा कर्मियों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है तथा उनके परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

इस अवसर पर, हम आतंकवाद से लड़ने तथा अपने देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता की रक्षा करने संबंधी अपने संकल्प को एक बार पुन: दोहराते हैं।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़ी रहेगी।

(The Members then stood in silence for a short while.)

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: प्रश्न काल।

…(व्यवधान)

RE: A PURPORTED REMARK MADE BY AN HON. MEMBER

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): माननीय अध्यक्ष जी, हमारी तरफ से बहुत से लोगों के एजर्नमेंट मोशन हैं। …(व्यवधान) जैसे साध्वी जी ने बाहर बोला था और हाउस में माफी मांगी थी, ऐसे ही राहुल गांधी जी ने बाहर बोला कि 'मेक इन इंडिया' की जगह 'रेप इन इंडिया' हो गया है। यह बहुत कन्डेम्नेबल एक्टिविटी है। …(व्यवधान) उन्हें हाउस में आकर माफी मांगनी चाहिए।…(व्यवधान) वह हाउस में आकर माफी मांगें।…(व्यवधान) हाउस में ऐसा पहले कर रखा है, साध्वी निर्मला ज्योति जी ने।…(व्यवधान) वह हाउस में नहीं बोली थीं, पब्लिक में बोली थीं, मीटिंग में, …(व्यवधान) ऐसे ही राहुल गांधी जी पब्लिक में बोले हैं।…(व्यवधान) उनको माफी मांगनी चाहिए।…(व्यवधान) उन्होंने कैसे कह दिया कि यह 'मेक इन इंडिया' नहीं 'रेप इन इंडिया' है। …(व्यवधान) यह बहुत ही निंदनीय है। …(व्यवधान) घोर आपत्तिजनक है।…(व्यवधान) सदस्य को यहां बुलाया जाए और हाउस में माफी मांगी जाए।…(व्यवधान)

(1105/IND/KSP)

अध्यक्ष जी, हमारी तरफ से सदस्यों ने नोटिस दिया है। मैं आपसे आग्रह करूंगा कि जिन सदस्यों ने नोटिस दिया है, उन्हें बोलने की अनुमति प्रदान की जाए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप विषय रखना चाहें, तो रखें।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बोल क्यों नहीं रहे हैं? यदि नहीं बोलना है, तो सदन को आगे चलाएं।

…(व्यवधान)

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत): आप अनुमति देंगे, तो विषय रखेंगे।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती लॉकेट जी, यदि आपने बोलना है, तो आप अपनी जगह जाएं।

लॉकेट चटर्जी जी, आप क्या बोलना चाहती हैं?

…(व्यवधान)

श्रीमती लॉकेट चटर्जी (हुगली): अध्यक्ष जी, हम देश की बात कर रहे हैं, मोदी जी देश की बात कर रहे हैं, लेकिन वे लोग रेप की बात कर रहे हैं।…(व्यवधान) मोदी जी ने मेक इन इंडिया में भारत को आगे बढ़ाने के लिए सब लोगों का वेलकम किया, लेकिन राहुल जी ने बोला – 'रेप इन इंडिया'। वे सबको वेलकम कर रहे हैं कि आओ, हम लोगों का रेप करो।…(व्यवधान) हम लोग महिलाएं हैं और यह पूरे भारत की महिलाओं का अपमान है।…(व्यवधान) यह भारत माता का अपमान है। मोदी जी 'मेक' की बात कर रहे हैं और राहुल गांधी 'रेप' की बात कर रहे हैं।…(व्यवधान) वे बिना सिक्योरिटी के घर से नहीं निकलते हैं, वे रेप की बात, रेप का दर्द कैसे समझेंगे? …(व्यवधान) कांग्रेस पार्टी ने तो पूरे के पूरे देश का रेप कर दिया है। उनकी पद्धति ऐसी है कि महिला से रेप करके उसे तंदूर में डाल देते हैं।…(व्यवधान) इनका पत्थर दिल है। ये कैसे समझेंगे? भारतीय महिलाएं सबसे ऊपर हैं। उन्होंने महिलाओं का अपमान किया है, इसलिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।…(व्यवधान) मोदी जी

का मेक इन इंडिया है और वे रेप की बात कह रहे हैं। वह समझते नहीं हैं कि भारतीय महिला क्या है? उन्होंने सभी मर्दों का अपमान किया है। भारत में सभी मर्द रेपिस्ट नहीं हैं? उन्होंने कहा कि बाहर से आओ और महिलाओं से रेप करो। वे महिलाओं के बारे में क्या सोचते हैं? …(व्यवधान) क्या वह हम लोगों का रेप करेगा? हमारा ऐसे अपमान किया है और 'रेप इन इंडिया' बोला। सभी भारतीय महिला को बोल दिया, भारत माता को बोल दिया।…(व्यवधान) राहुल गांधी जी को ऐसे बोलने की हिम्मत कैसे हुई? उन्होंने औरतों का अपमान किया है। अधीर रंजन चौधरी जी ने भी कहा है कि यह 'रेप इन इंडिया' है।…(व्यवधान) आप भी माफी मांगिए। राहुल गांधी जी को माफी मांगनी पड़ेगी और आपको भी माफी मांगनी पड़ेगी।…(व्यवधान) आप कांग्रेस के नेताओं ने देश का अपमान किया है।…(व्यवधान)

(1110/ASA/KSP)

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी):अध्यक्ष जी, मैं एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। माननीय प्रधान मंत्री जी ने सारी दुनिया का आह्वान किया कि हमारे देश में आओ, यहां इंडस्ट्री लगा दो, मैनुफैक्चरिंग करो, उत्पादन करो।…(व्यवधान) इसके लिए एक स्लोगन 'मेक इन इंडिया' दिया और रोजगार देने की बात की। राहुल गांधी को क्या हो गया है? आपके ध्यान में होगा, जब एक सदस्य ने बाहर स्टेटमेंट दी थी, उसके लिए स्वयं प्रधान मंत्री जी ने खेद प्रकट किया था।…(व्यवधान) मैं अधीर रंजन जी से पूछ रहा हूं, क्योंकि राहुल गांधी और सोनिया गांधी जी सदन में नहीं हैं। मैं अधीर रंजन जी से पूछ रहा हूं कि राहुल गांधी ने क्या समझ रखा है? What does he think of the womenfolk of this country? मैं पूछता हूं कि क्या हमारे देश में सभी पुरुष रेपिस्ट्स हैं? …(व्यवधान)

महिला और बाल विकास मंत्री तथा वस्त्र मंत्री (श्रीमती स्मृति जूबिन ईरानी): अध्यक्ष जी, यह राष्ट्र के इतिहास में पहली बार हुआ है कि एक पार्टी का नेता सार्वजनिक तौर पर क्लैरियन कॉल देता हो कि हिंदुस्तान की महिलाओं का बलात्कार होना चाहिए।…(व्यवधान) यह राष्ट्र के इतिहास में पहली बार हुआ है। कांग्रेस पार्टी का नेता रेप जैसे संगीन जुर्म को पॉलिटिकल मोकरी का हिस्सा बनाता हो, यह राष्ट्र के इतिहास में पहली बार हुआ है।…(व्यवधान) गांधी खानदान का बेटा सरेआम कहता है कि 'आओ हिंदुस्तान में और बलात्कार करो।' अध्यक्ष जी, मैं आज आपसे पूछना चाहती हूं कि राहुल गांधी इस सदन के सांसद हैं और उनका वक्तव्य है कि हिंदुस्तान में हर पुरुष महिला का बलात्कार करना चाहता है।…(व्यवधान) क्या राहुल गांधी का यह वक्तव्य देश की जनता को संदेश है कि वह सार्वजनिक आह्वान करते हैं कि देश की महिलाओं का बलात्कार होना चाहिए।…(व्यवधान) अध्यक्ष जी, आज यह मात्र इस सदन के महिला और पुरुष सांसदों की गरिमा की बात नहीं है, इस सदन का एक सदस्य पहली बार यह हिमाकत कर रहा है कि हिंदुस्तान की औरतों का बलात्कार होना चाहिए।…(व्यवधान) ऐसे शब्द उसके मुंह से निकल रहे हैं। हिंदुस्तान की किसी महिला से पूछ लीजिए, यदि उसके बलात्कार का आह्वान किया जाए, तो उसे मुंह तोड़ जवाब देना आता है।…(व्यवधान)

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): अध्यक्ष जी, यह बात दो हजार साल पहले चाणक्य ने कही थी कि कभी विदेशी माता से उत्पन्न संतान कभी राष्ट्र भक्त नहीं हो सकती है।…(व्यवधान) इसका उदाहरण हम देख रहे हैं। जिस तरह से उन्होंने इस देश को शर्मिन्दा किया है, इसके लिए उनकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है।…(व्यवधान) जिस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं महिला हो, उसका पुत्र इस तरह की बात करता है, यह ठीक नहीं है। यह बात जो चाणक्य ने दो हजार साल पहले कही थी, उस बात को चरितार्थ करती है।…(व्यवधान)

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत): अध्यक्ष जी, विपक्ष के मित्र क्वैश्चन ऑवर की डिमांड कर रहे हैं। पहला प्रश्न यह है कि राहुल गांधी जी ने यह जो बात कही है और महिलाओं का समग्र अपमान किया है, उसका जवाब हम चाहते हैं।…(व्यवधान) इसके बाद प्रश्न काल लिया जाएगा। पहला प्रश्न यह है कि राहुल गांधी ने यह जवाब किस परिप्रेक्ष्य में दिया है? …(व्यवधान) उन्होंने जो कहा है, उसके लिए उन्हें यहां आकर माफी मांगनी चाहिए।…(व्यवधान)

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): अध्यक्ष जी, आपको कुछ बोलना होगा।…(व्यवधान)

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन ईरानी: अध्यक्ष जी, मैं आपका संरक्षण चाहती हूं। देश की महिलाओं के लिए गांधी खानदान के सांसद ने आह्वान किया है कि महिलाओं का बलात्कार होना चाहिए। मैं देश के परिवारों की ओर से अपील करती हूं कि क्या आप उसे दंडित करेंगे? इस देश का हर पुरुष, हर भाई, हर पिता बलात्कारी नहीं है। जो बलात्कारी है, उसे कानून कड़ी से कड़ी सजा देता है।…(व्यवधान) यह हमारी कानूनी प्रतिबद्धता है। हर महिला को कलंकित करने का, उसका बलात्कार करने का, आह्वान करने का यह पाप किया है, इसे दंड निश्चित मिलना चाहिए।…(व्यवधान) देश की महिलाएं उनकी बपौती नहीं हैं कि वह आह्वान करेंगे कि come and rape in India. This is the most heinous statement given by a political leader. He should be punished for using women as a political tool for mocking his political opponents. …(व्यवधान) रेप इन इंडिया का स्टेटमेंट देने का दुस्साहस किया है। एक महिला सांसद होने के नाते और हम सब की तरफ से आपसे अपील करती हूं कि देश आपको देख रहा है, उसे दंडित कीजिए। …(*Interruptions*)

(1115-1120/GM/SPS)

श्री प्रहलाद जोशी: माननीय अध्यक्ष जी, राहुल गांधी जी ने पूरे महिला समाज का अपमान किया है और सब पुरुषों को कहा है कि आप रेपिस्ट हैं। …(व्यवधान) मैं उधर बैठी हुई सुप्रिया सुले जी, कनिमोझी जी और अन्य महिला सदस्य शताब्दी राय जी को पूछना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी ने कहा है, रेप इन इण्डिया। …(व्यवधान) इसका मतलब है इण्डिया में आओ और रेप करके चले जाओ। इसके लिए आपका मत क्या है, आप बोलिए? …(व्यवधान) They have to tell us what their opinion is. How do they react on Mr. Rahul Gandhi's statement? What does it mean? …(Interruptions) Is it not shameful? I would like to ask Shrimati Supriya Sule and Shrimati Kanimozhi …(*Interruptions*) Rahul Gandhi is saying, "Rape in India." What does 'Rape in India' mean? He is asking all the outsiders to come

to India and rape all the womenfolk of India. …(*Interruptions*) Is it right? They have to give their opinion. He has said this. …(*Interruptions*) You can see what he is talking. Is this a way to talk? If they respect the sentiments of women, they should react on this. …(*Interruptions*)

(1125/PS/SJN)

श्री अर्जुन राम मेघवाल : अध्यक्ष जी, प्रहलाद जोशी जी ने जो कहा है, सुप्रिया जी कह रही हैं कि मैंने नहीं सुना है और कनिमोझी जी भी कह रही हैं कि मैंने नहीं सुना है।…(व्यवधान) मैं वह रिपीट करना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी ने कहा है कि मेक इंन इंडिया की जगह रेप इन इंडिया हो गया है।…(व्यवधान) तो इस पर आपका क्या मत है? क्या आप यह मानती हैं? इस पर आपका क्या मत है? What is your reaction? What is your suggestion? …(*Interruptions*)

SHRIMATI KANIMOZHI KARUNANIDHI (THOOTHUKKUDI): Sir, the House is not in order. …(*Interruptions*). The House is not in order …(*Interruptions*) The House has to be …(*Interruptions*) This is the Question Hour and the House is not in order. The hon. Minister has taken my name and Shrimati Supriya Sule's name and he expects us to answer. We have to understand one thing first that this was said outside the House. …(*Interruptions*) One minute, let me finish. …(*Interruptions*). Let me finish. You wanted me to answer.

The hon. Prime Minister has always been saying about Make-in-India. We all respect that and we want things to be made in India and India to become a very flourishing economy. But then, what is happening in this country? …(*Interruptions*) That is what the hon. Member, Shri Rahul Gandhi, intended to say. …(*Interruptions*) Unfortunately, Make-in-India is not happening and the women in this country are being raped …(*Interruptions*) This is the concern that he has expressed.

SHRI PRALHAD JOSHI: Sir, it is most unfortunate. Being a woman Member, you are defending. It is most unfortunate. …(*Interruptions*)

SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI: Sir, in this House, all of us have spoken about crimes against women above party lines. I expected Shrimati Kanimozhi to speak above party lines. …(*Interruptions*) Is it a fact that Shri Rahul Gandhi, almost touching 50 and hence, realises that rape in India will tantamount to an invitation about raping women in India? Yes, Shri Rahul Gandhi cannot be so ignorant. I am shocked. Shri Gogoi is known for his interferences every time a female MP of the Bhartiya Janata Party stands up. Let him know that today even

his … *(Not recorded)* of stopping us and from saying our stuff will not be tolerated.

I was hopeful that above party lines you would rise and condemn this statement of rape in India. That is the least as Parliamentarians and as citizens we can do. I am extremely disheartened that even on issues of crime against women, you could not rise above party lines. I am disgusted to say the least.

(1130/GG/SRG)

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सब अपनी-अपनी सीटों पर बैठें।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपसे आग्रह है कि सभी माननीय सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर विराजें।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, इन लोगों को आप बोलने दे रहे हैं और हमारा माइक ऑन नहीं है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने किसी को माइक नहीं दिया है।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, इन लोगों को दिया है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने नहीं दिया है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अगर सभा की सहमति हो तो प्रश्न-काल शुरू करें?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सभा की सहमति हो तो प्रश्न काल शुरू करें?

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

…(व्यवधान)

1132 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा बारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

…(व्यवधान)

(1200/RV/RU)

1201 बजे

लोक सभा बारह बजे पुनः समवेत् हुई।

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

RE: A PURPORTED REMARK BY AN HON. MEMBER

माननीय अध्यक्ष: माननीय राजनाथ सिंह जी, आप क्या बोलना चाहते हैं?

…(व्यवधान)

रक्षा मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष महोदय, सारा देश यह जानता है कि हमारे प्रधान मंत्री मोदी जी बराबर 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम पर बल दे रहे हैं।…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम पर प्रधान मंत्री जी के द्वारा इसलिए बल दिया जा रहा है कि भारत, जिसकी मान्यता एक इम्पोर्टर देश के रूप में रही है, वह हमारा भारत देश एक एक्सपोर्टर कंट्री के रूप में सारी दुनिया में खड़ा हो जाए।…(व्यवधान) इस कारण प्रधान मंत्री जी 'मेक-इन-इंडिया' के इस कार्यक्रम पर बल दे रहे हैं।…(व्यवधान) इतना ही नहीं, इस कारण भी 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम पर बल दे रहे हैं, ताकि हमारे देश के नौजवानों को बड़ी संख्या में रोजगार हासिल हो।…(व्यवधान) यह उद्देश्य है हमारे प्रधान मंत्री जी का, लेकिन इस 'मेक-इन-इंडिया' शब्द के साथ जिन शब्दों की तुकबंदी, इस सदन के वरिष्ठ सदस्य, जो काँग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं, राहुल गाँधी के द्वारा की गई है, अध्यक्ष महोदय, सचमुच, मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं तो आहत हुआ हूं, पूरा सदन आहत हुआ है और मैं समझता हूं कि सारा देश आहत होगा।…(व्यवधान) क्या इस सदन में ऐसे भी लोग चुन कर आ सकते हैं, जो कि इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग करते हैं?…(व्यवधान)

1202 hours

(*At this stage, Shri Abdul Khaleque came and stood near the Table.*)

अध्यक्ष महोदय, मैं उस शब्द का इस सदन में प्रयोग नहीं कर सकता हूं।…(व्यवधान) मैं यह कहना चाहता हूं कि यह जो कुछ लोगों के द्वारा तर्क दिया जा रहा है कि इसके पहले भी हमारी पार्टी के कुछ लोगों ने कुछ अपशब्दों का प्रयोग बाहर किया था, तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि इस सदन में हम लोगों ने स्वयं अपने उन सदस्यों को, जिन्होंने थोड़ा इधर-उधर का शब्द प्रयोग किया था, उनको बुलाकर यहां पर खेद व्यक्त कराया है, चाहे वे साध्वी निरंजन ज्योति रही हों, चाहे वे हमारे अनन्त कुमार हेगड़े जी रहे हों।…(व्यवधान)

1203 hours

(*At this stage, Sushri S. Jothimani and some other hon. Members came and stood near the Table.*)

काँग्रेस के इतने वरिष्ठ नेता के द्वारा यदि इस प्रकार के अपशब्दों का प्रयोग किया जा रहा है तो क्यों नहीं उन्हें सदन में आना चाहिए और केवल पूरे सदन से ही माफी नहीं माँगनी चाहिए, बल्कि सारे देश से माफी माँगनी चाहिए।...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, मैं यह समझता हूं कि ऐसे व्यक्ति को सदन का सदस्य बनने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।...(व्यवधान) ऐसे व्यक्ति को सदन का सदस्य नहीं होना चाहिए।...(व्यवधान) इसलिए मैं माँग करना चाहता हूं कि वे सदन में आएं और सदन से ही नहीं, पूरे देश से वे क्षमा याचना करें।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही दोपहर बारह बजकर पन्द्रह मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है।

1205 बजे

<u>तत्पश्चात् लोक सभा बारह बजकर पन्द्रह मिनट तक के लिए स्थगित हुई।</u>

(1215/SK/KKD)

1215 बजे

लोक सभा बारह बजकर पन्द्रह मिनट पर पुनः समवेत् हुई।

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

...(व्यवधान)

विदाई संबंधी उल्लेख

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब हम सत्रहवीं लोक सभा के दूसरे सत्र की समाप्ति की ओर आ गए हैं, जो 18 नवम्बर, 2019 को आरंभ हुआ था। अब तक, हम 20 बैठकें कर चुके हैं जो 130 घंटे 45 मिनट तक चलीं। 18 नवम्बर, 2019 को चार नए सदस्यों ने शपथ ली अथवा प्रतिज्ञान किया।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस सत्र में महत्वपूर्ण वित्तीय, विधायी और अन्य कार्यों का भी निपटान हुआ। वर्ष 2019-20 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों (सामान्य) पर चर्चा 5 घंटे 5 मिनट तक चली। वर्तमान सत्र के दौरान 18 सरकारी विधेयक पुर:स्थापित हुए। कुल मिलाकर 14 विधेयक पारित हुए। 140 तारांकित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। औसतन प्रतिदिन लगभग 7.36 प्रश्नों के उत्तर दिए गए। इसके अतिरिक्त औसतन प्रतिदिन 20.42 अनुपूरक प्रश्नों के उत्तर दिये गए। 27 नवम्बर, 2019 को सभी 20 तारांकित प्रश्न लिये गए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदस्यों ने प्रश्न काल के पश्चात शाम को देर तक बैठकर लगभग 934 अविलंबनीय लोक महत्व के मामले उठाए। निर्धारित बैलट किए गए 20 मामलों की तुलना में प्रतिदिन औसतन 58.37 मामले उठाए गए। इसके अतिरिक्त स्थगन प्रस्ताव की उन 40 सूचनाओं, जिन्हें उठाने की अनुमति नहीं दी गई थी, को शून्य काल में मामलों में अंतरित करके सभा में उठाने की अनुमति दी गई। नियम 377 के अधीन कुल 364 मामले उठाए गए। इनमें से 121 मामलों को सभा में उठाया गया और 243 मामले सभा पटल पर रखे गए। स्थायी समितियों ने सभा में 48 प्रतिवेदन प्रस्तुत किए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय संसदीय कार्य मंत्री के सरकारी कार्य के संबंध में 3 वक्तव्यों सहित मंत्रियों ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर कुल 15 वक्तव्य दिए। इस सत्र के दौरान संबंधित मंत्रियों ने कुल 1669 पत्र सभा पटल पर रखे।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सभा में नियम 193 के अंतर्गत दो अल्पकालिक चर्चाएं भी की गईं। सबसे पहले 'वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन' के संबंध में चर्चा 7 घंटे और 49 मिनट तक चली तथा

'विभिन्न कारणों से फसल की क्षति और उसका कृषकों पर प्रभाव' विषय पर भी चर्चा 7 घंटे और 21 मिनट चली।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जहां तक गैर-सरकारी सदस्यों के कार्य का संबंध है, गैर-सरकरी सदस्यों ने दूसरे सत्र के दौरान अलग-अलग विषयों पर 28 विधेयक पुर:स्थापित (introduce) किए। 22 नवंबर, 2019 को 'अनिवार्य मतदान विधेयक, 2019' के प्रस्ताव पर आगे चर्चा की गई। उस दिन इस पर चर्चा पूरी नहीं हुई।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : गैर-सरकारी सदस्यों के संकल्पों के मामले में 29 नवम्बर, 2019 को केन-बेतवा नदी संपर्क परियोजना के माध्यम से नहरों के निर्माण संबंधी संकल्प पर आगे चर्चा की गई। उस दिन इस पर चर्चा पूरी नहीं हुई।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस सत्र में, विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सभा 28 घंटे और 43 मिनट देर तक बैठी। इस प्रकार सभा की उत्पादकता 115 प्रतिशत दर्ज की गई है।

(1220/MK/RP)

मंगलवार, 26 नवम्बर, 2019 को संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में 'संविधान दिवस' की 70वीं वर्षगांठ मनाने हेतु एक समारोह का आयोजन किया गया।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति जी, माननीय उपराष्ट्रपति जी, भारत के माननीय प्रधान मंत्री जी के साथ मैंने भी सभा को संबोधित किया। इस समारोह में संसद के दोनों सदनों-राज्य सभा और लोक सभा के संसद सदस्यों ने भाग लिया।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : संसद सदस्यों की क्षमता निर्माण के कदम के रूप में संदर्भ प्रभाग द्वारा सभा के समक्ष महत्वपूर्ण विधायी कार्यों पर ब्रीफिंग सत्र आयोजित करने हेतु एक पहल की गई है। इसका उद्देश्य सभा के विधायी मुद्दों पर संसद सदस्यों को जानकारी देना है। एक बार जब विधेयक पुर:स्थापित हो जाता है तब विधेयक के संबंध में ब्रीफिंग सत्र रखा जाता है, जिसमें संबंधित मंत्रालय/विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सदस्यों को जानकारी देते हैं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान अब तक 9 ब्रीफिंग सत्र आयोजित किए जा चुके हैं।

सदस्यों ने सत्रों के दौरान परस्पर चर्चाओं के आदान-प्रदान तथा दिए गए बहुमूल्य सुझावों की सराहना की है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं सभा की कार्यवाही को पूरा करने में सभापति तालिका में शामिल अपने सभी माननीय सहयोगियों का उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी, संसदीय कार्य मंत्री जी, विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं और माननीय सदस्यों के प्रति उनके सहयोग के लिए अत्यधिक कृतज्ञ हूं। मैं आप सभी की ओर से प्रेस और मीडिया के मित्रों का भी धन्यवाद करता हूं। मैं सभा को प्रदान की गई समर्पित और त्वरित सेवाओं के लिए लोक सभा सचिवालय के महासचिव, अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूं। मैं सभा की कार्यवाही के संचालन से संबद्ध एजेंसियों को उनके द्वारा प्रदान की गई सहायता के लिए भी धन्यवाद देता हूं।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, कृपया अपने स्थान पर खड़े हो जाएं क्योंकि “वन्दे मातरम्” की धुन बजाई जाएगी।

1223 बजे

(राष्ट्रीय गीत की धुन बजाई गई।)

1224 बजे

तत्पश्चात लोक सभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित हुई।